पहचानें मन की अद्भुत शक्ति को

स्थान भी हमारे संकल्पों का परिणाम है

जब हम कहीं शिफ्टिंग करते हैं तो उस समय हमारे मन में बहुत सारे विज़न्स होते हैं। अब ये विज़न्स भी संकल्प ही तो हैं। जैसे वहाँ जायेंगे तो ऐसा घर होगा, ऐसा स्थान होगा, इतने कमरे होंगे, ऐसा वॉशरूम होगा, ऐसा लॉन होगा आदि-आदि। और आप देखते जाइये, होता वैसा ही है। अब इसमें देखना ये है कि अगर घर में पाँच सदस्य हैं तो पाँचों सदस्यों के अलग-अलग विज़न्स होंगे घर के लिए। अब कोलैप्स(मिक्स) हो जायेगा कि अरे! मैंने तो कुछ और सोचा था, और बन कुछ और गया। वो इसलिए बना क्योंकि पाँचों के जो विज़न्स हैं वो एक जगह, एक स्थान पर फिट नहीं बैठेंगे लेकिन अगर उस घर में कोई एक चीज़ जो आपको चाहिए और आपने उसे बहुत शक्तिशाली मन के साथ किया होगा तो वो निश्चित रूप से आपके घर में, आपके ही हिसाब से होगा। इसीलिए कहा जाता है कि अगर आप किराये का घर छोड़कर जा रहे हैं तो आपको किराये का घर मिलेगा। लेकिन आपने ज़्यादातर देखा होगा कि लोग किराये के घर में रहते हुए अपना घर बनाते हैं, फिर शिफ्टिंग करते हैं। फेंगशुई के अनुसार कहा जाता है कि अगर आपके घर से कोई दूसरे घर में जा रहा है तो यदि वो अपने घर में जा रहा है, अपने बनाये हुए घर में जा रहा है तो आपके घर में बरकत होगी। मतलब आपके पास भी कुछ न कुछ अच्छा आयेगा,शक्तिशाली आयेगा। आपका घर खाली नहीं रहेगा। लेकिन अगर वो किराये के मकान में जा रहा है, तो वो अभी भी दे रहा है, ना कि उसके पास कुछ आ रहा है। इसका सिर्फ एक कारण है कि हमारे संकल्प में कभी नहीं होता है कि जहाँ हम रह रहे हैं, यहाँ से हमें जाना ही है। हम सोचते कि चलो जब तक हम यहाँ हैं, तो हैं, फिर कहीं और चले जायेंगे। हमारे उन संकल्पों के कारण ही हम कष्ट सहन कर रहे हैं। निश्चित रूप से यह एक आसान तरीका हो सकता है अपने आप को सुदृढ़ बनाने, अपने संकल्पों के आधार से अपना जीवन बनाने का। हम जो संकल्प ऐसे ही करते रहते हैं, उससे हमको सबकुछ ऐसे ही मिलता रहता है। आप पड़ोसी अच्छा चाहते हैं तो अच्छे संकल्प करो। उसी तरह आपको वहाँ सुविधायें दूसरी तरह की चाहिए तो वैसे संकल्प करो, प्रकृति अपने आप ही वैसा लाकर रख देगी जो आपको चाहिए। तो सारा खेल हमारे विज़न्स का ही है या संकल्पों का है। रचना हमको सिर्फ रचनी है। जितना अच्छा रचेंगे, उतना अच्छा बसायेंगे जीवन को।

स्थान भी हमारे संकल्पों का परिणाम है। कैसा स्थान चाहिए, कैसे लोग चाहिए, कैसा वातावरण चाहिए, कैसा पड़ोसी चाहिए, किस तरह की स्थिति चाहिए, वो सब आप ही क्रियेट करते हैं। ये कोई प्री-डिसाइडेड नहीं है, अर्थात् पहले से कुछ नहीं हो रहा है, जो हो रहा है, अभी हो रहा है। तो समझना है, सोचना है और समाना है। आओ हम इस पर भी थोड़ी चर्चा करते हैं।

ओमशान्ति मीडिया वर्ग पहेली-21(2018-2019)

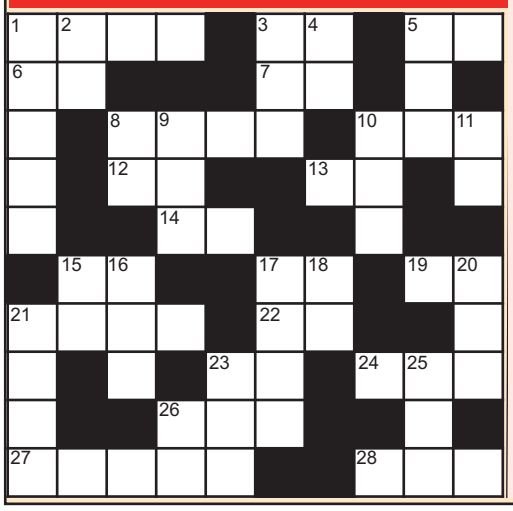

ऊपर से नीचे

1. शिवजयंती शिव बाबा के...का त्योहार है (5)
2. नाम.... शान की बीमारी से बचना है (2)
3. अमानत में कभी...नहीं डालनी है (3)
4. आदत, संस्कार (2)
5. बाबा से...प्रेम करना है, निरन्तर (3)
8. नया, नवीन (2)
9. स्वभाव, आदत (3)
10. तमाचा, चाटा (3)
11. कुआं, गहरा गड्ढा (2)
15. नांव, किश्ती (2)
16. धर्म का अर्थ है....। (3)
17. परिवर्तन, मुकरना, बात से हटना (4)
18. आज नहीं तो...बिखरेंगे ये बादल (2)
20. मिथ्या बात, गप (3)
21. मुरली में वर्णित परियों में से एक (4)
23. कक्षा, दर्जा, समुदाय (3)
25. माया बड़ी...है, चालाक (3)
26. थोड़ा, अल्प (2)

बाएं से दाएं

1. धरोहर, जमा पूंजी (4)
3. विचार, ध्यान (2)
5. ....घर चलना है (2)
6. जंगल, कानन (2)
7. झुका हुआ, नमः (2)
8. सीख, सावधानी, शिक्षा (4)
10. एक धक से बलिहार जाना, बलि (3)
12. साजन, दूल्हा (2)
13. माप, तौल (2)
14. बच्चे बाप के दिल...नशीन बनो (2)
15. ...भक्ति से ही साक्षात्कार होता है (2)
17. बगुला, बोलना, कहना (2)
19. अनुराग, प्रेम, द्वेष (2)
21. बुलाना, आवाज़ देना (4)
22. समूह,संगठन,एक ही प्रकार के व्यक्तियों का समूह (2)
23. पंच तत्वों में एक, नीर, पानी (2)
24. गंदगी, अपशिष्ट (3)
26. युग, अवधि, दुनिया (3)
27. सतयुग में हीरे...के महल होते हैं (5)
28. मुलायम, नर्म (3)

-ब्र.कु. राजेश, शान्तिवन

वर्ग पहेली उत्तर

पहेली - 8
फरवरी - 1 ओम - 21
2018-2019

ऊपर से नीचे
1. समाधान, 2. नमक, 3. पर, 5. साधन, 6. तन, 8. नाराज़, 10. तैलुक, 13. जनक, 14. सार्थक, 15. कल, 18. मधुर, 19. बहुकाल, 22. जीवात्मा, 24. रहवासी, 27. लायक, 28. आदम।

बायें से दायें
1. सयानप, 4. रसातल, 7. मरना, 9. धन, 11. धार्मिक, 12. राजन, 14. साजन, 15. कलंक, 16. समर्थ, 17. कमल, 20. कर्ज़, 21. राज़ी, 23. हुनर, 25. गरम, 26. हमला, 28. आत्मा, 29. लकवा, 30. कर्ण, 31. कमर।

पहेली - 9
फरवरी - 2 ओम - 22
2018-2019

ऊपर से नीचे
1. टिकलू-टिकलू, 2. फरिश्ता, 4. वाममार्ग, 7. पालना, 8. टपकना, 10. नाज, 11. मामेकम, 14. नम, 17. महात्मा, 19. जान्की, 22. कमज़ोर, 23. मूर्छित, 25. झांकना, 26. ज़रा।

बायें से दायें
1.टिकटिक,3.दवा,5.शारीरिक, 6.लूटपाट, 9. लपकना, 11. मार्ग, 12. नाक, 13. जन, 15. लून, 16. नाम, 18. मज़ाक, 20. हार, 21. नमक, 23. मूर्ख, 24. आत्मा, 25. झांकी, 27. तकरार, 28. खाना, 29. सार।

पहेली - 10
मार्च - 1 ओम - 23
2018-2019

ऊपर से नीचे
1. असर, 2. किसने, 3. कब, 5. यादगार, 7. बलिहार, 9. नज़र, 11. जिस्म, 13. महातीर्थ, 14. नख, 16. समीप, 20. कुटुम्ब, 22. कमाल, 23. ताला, 25. रम, 26. मर।

बायें से दायें
1. अलौकिक, 4. कयामत, 6. सबब, 8. गायन, 10. हाज़िर, 12. जन्म, 13. महान, 15. रस्म, 16. सर, 17. खत, 18. जमी, 19. तीर्थ, 20. कुल, 21. पलक, 24. अम्बर, 26. महल, 27. कला, 28. मदार।

पहेली - 11
मार्च - 2 ओम - 24
2018-2019

ऊपर से नीचे
1. समाधान, 2. नमक, 3. पर, 5. साधन, 6. तन, 8. नाराज़, 10. तालुक, 13. जनक, 14. सार्थक, 15. कल, 18. बहुकाल, 20. जीवात्मा, 22. रहवासी, 23. मानवता, 25. पतित, 26. मानव, 28. कदा।

बायें से दायें
1. सयानप, 4. रसातल, 7. मरना, 9. धन, 11. धार्मिक, 12. राजन, 14. साजन, 15. कलंक, 16. समर्थ, 17. कमल, 19. राज़ी, 21. हुनर, 23. मात, 24. हवन, 25. परमात्मा, 27. लकवा, 29. दासी, 30. ताकत, 31. वन।

सिधौली-सीतापुर(उ.प्र.)। सांसद कौशल किशोर को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. योगेश्वरी, ब्र.कु. बोबिन्दर,माउण्ट आबू तथा ब्र.कु. रश्मि।

नेपाल-राजबिराज। मातेश्वरी जगदम्बा सरस्वती के पुण्य स्मृति दिवस पर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए विधायक नेत्र विक्रम शाह, ब्र.कु. भगवती, समाजसेवी हरे कृष्ण प्रसाद सिंह, रेणुका बहन तथा अन्य।

अबोहर-पंजाब। मातेश्वरी जगदम्बा सरस्वती के पुण्य स्मृति दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में श्रद्धांजलि अर्पित करने के पश्चात् चित्र में सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. पुष्पलता, उपसंचालिका ब्र.कु. दर्शना, ब्र.कु. शालू, ब्र.कु. सुनीता, लेखक परिषद प्रधान राज सदोष, एडवोकेट रमेश शर्मा, जिला कांग्रेस के पूर्व प्रधान विमल ठठई, सेवा निवृत्त आयकर अधिकारी बलराम सिंगला, सेवानिवृत्त उपमण्डल इंजीनियर सीता राम बजाज तथा अन्य गणमान्य लोग।

जम्मू-सुंदरबनी। अखिल भारतीय प्रदर्शनी बस अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में ए.डी.सी. विनोद कुमार को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित करते हुए ब्र.कु. राजकुमारी।

पटियाला-पंजाब। मेरा भारत स्वर्णिम भारत बस प्रदर्शनी अभियान के अंतर्गत पटेल मेमोरियल कॉलेज में कार्यक्रम के दौरान यात्रा मैनेजर ब्र.कु. अवनीश,माउण्ट आबू, ब्र.कु. खुशी तथा अन्य सदस्यों का स्वागत-सत्कार करते हुए कॉलेज के प्राचार्य व शिक्षक।

दिल्ली-मालवीय नगर। 'आर्ट ऑफ पैरेंटिंग' विषयक कार्यक्रम में सम्बोधित करने के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. पीयूष, ब्र.कु. सुंदरी दीदी, ब्र.कु. नीरू तथा अन्य।